KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 12

भारतीय इतिहास के कुछ विषय

भाग - 3

आधुनिक भारत का इतिहास

अध्याय - 11

महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आन्दोलन

भाग - 2

Pritesh Joshi

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

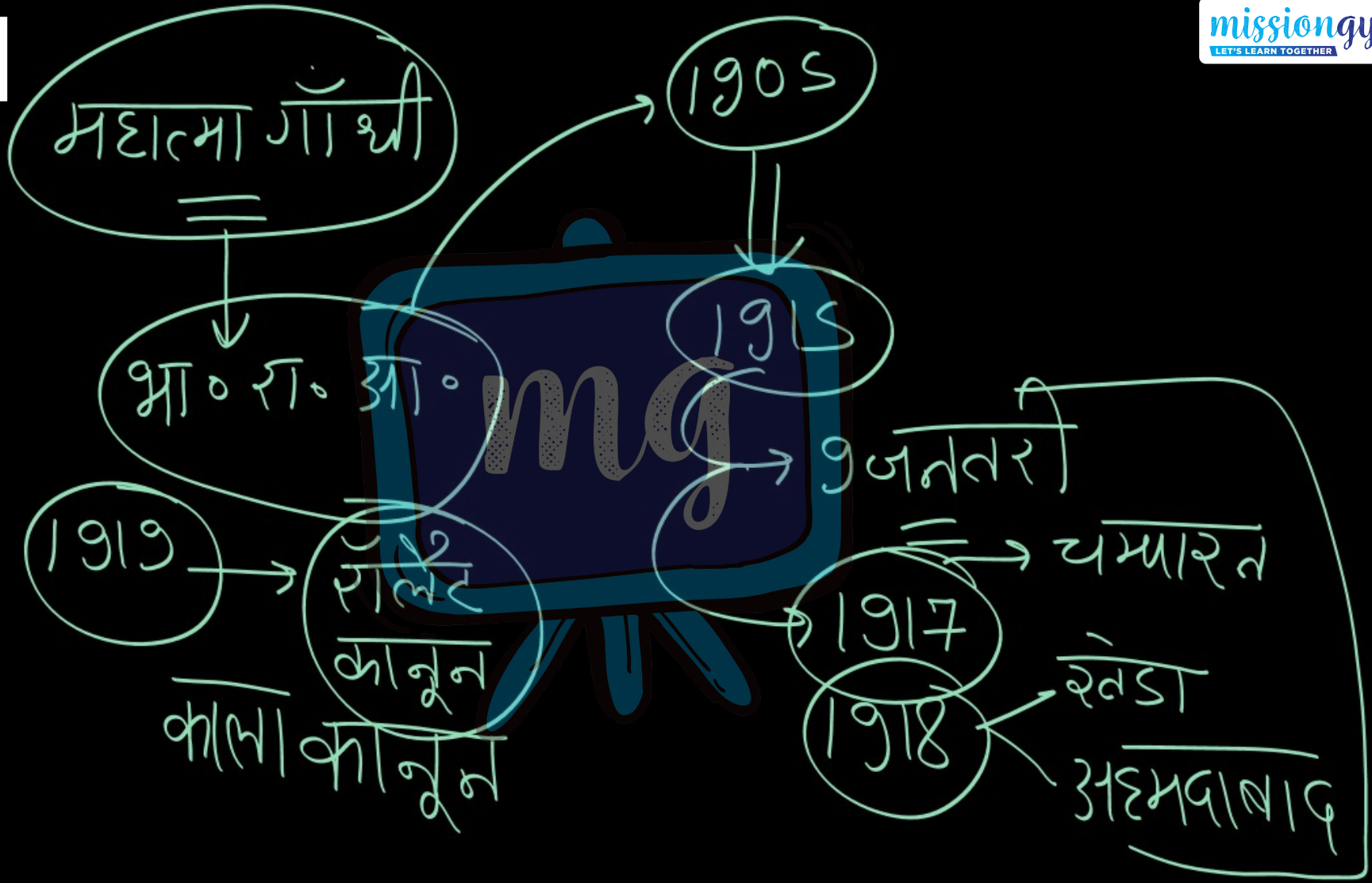

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

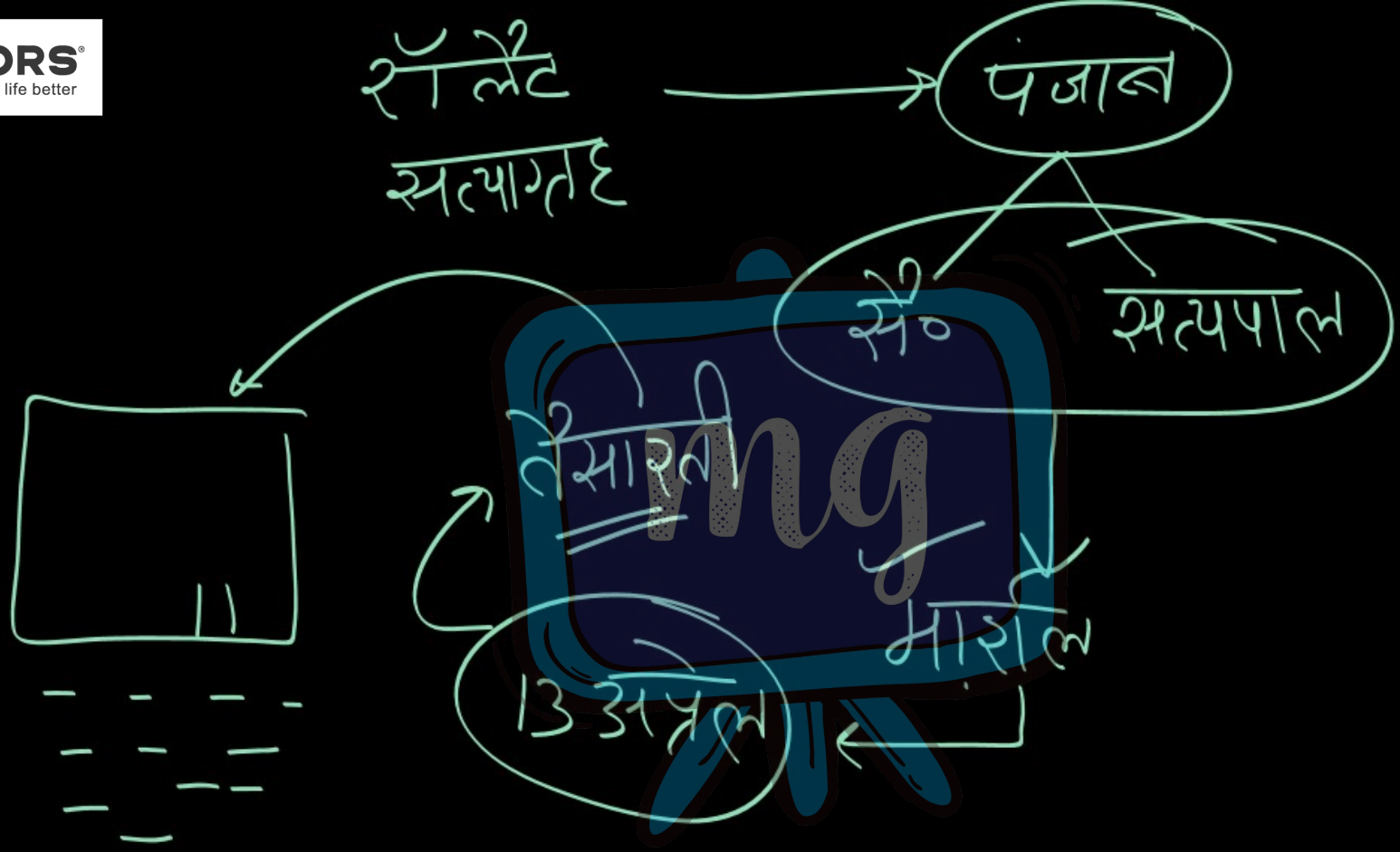

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

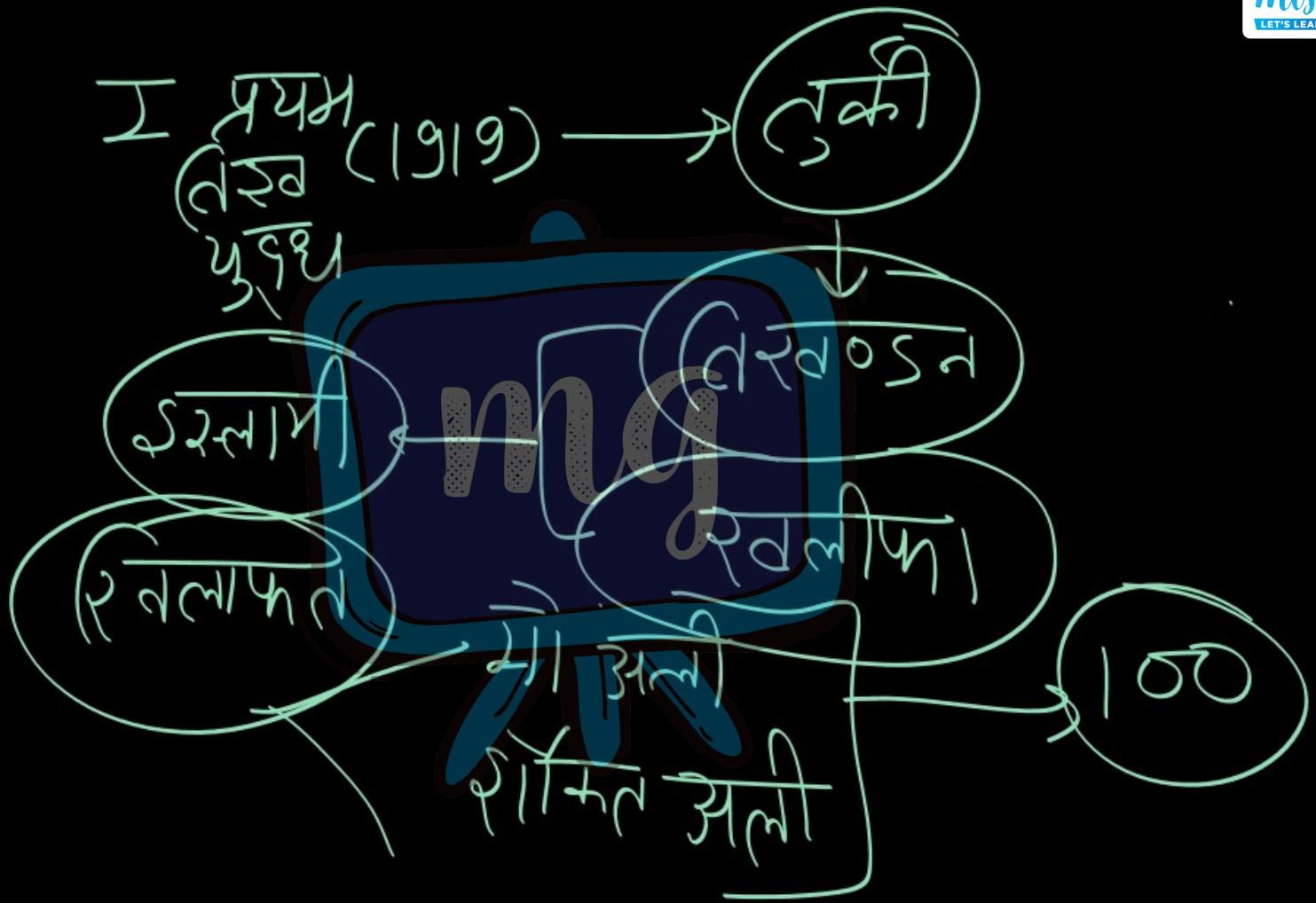

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

व्यापकता ×

एक लोकप्रिय आंदोलन की तैयारी :-

- गाँधी जी ने यह आशा की थी कि असहयोग और खिलाफत को साथ मिलाने से भारत के दो प्रमुख धार्मिक समुदाय हिन्दू और मुसलमान मिलकर औपनिवेशिक शासन का अंत कर देंगे।
- ये चीजें औपनिवेशिक भारत में बिल्कुल ही अभूतपूर्व थी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

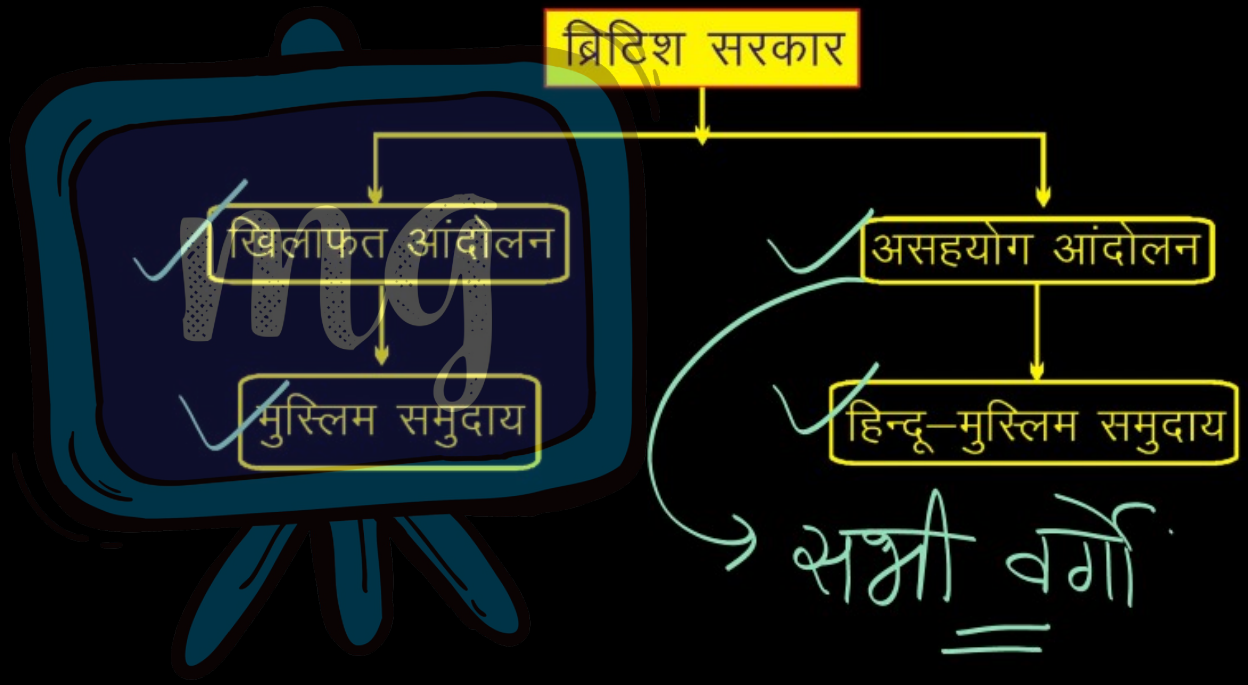

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- विद्यार्थियों ने सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्कूलों और कॉलेजों में जाना छोड़ दिया।
- वकीलों ने अदालत में जाने से मना कर दिया।
- कई नगरों में श्रमिक-वर्ग हड़ताल पर चले गये।
- देहात भी असंतोष से आंदोलित हो रहा था।
- उत्तरी आंध्र की पहाड़ी जनजातियों ने वन्य कानूनों की अवहेलना कर दी।
- अवध के किसानों ने कर नहीं चुकाए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

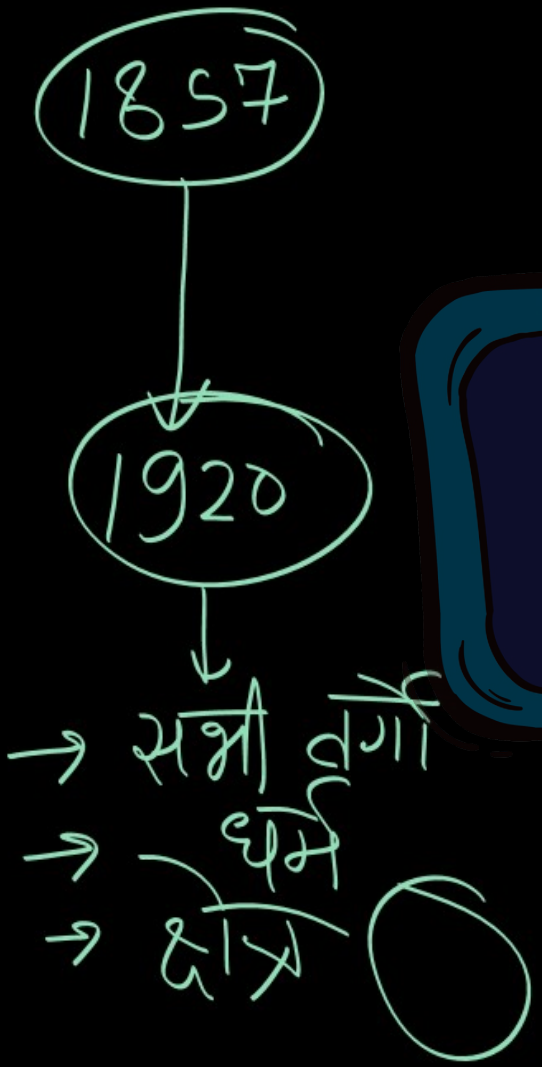

- कुमाऊँ के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों का सामान ढोने से मना कर दिया।
- 1857 के विद्रोह के बाद पहली बार असहयोग आंदोलन के परिणामस्वरूप अंग्रेजी राज की नींव हिल गई।
- आंदोलन में कई स्थानों पर राष्ट्रवादी नेतृत्व की अवज्ञा की गई।
- इसके लिए परित्याग और स्व-अनुशासन आवश्यक था।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

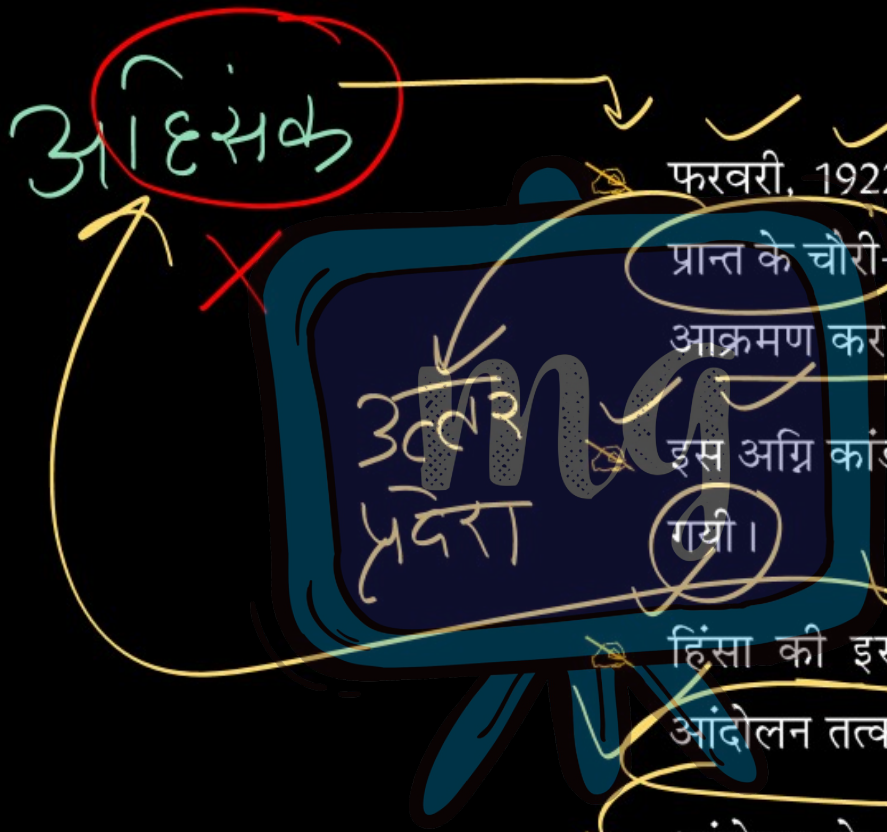

- फरवरी, 1922 में किसानों के एक समूह ने संयुक्त प्रान्त के चौरी-चौरा पुरवा में एक पुलिस स्टेशन पर आक्रमण कर उसमें आग लगा दी।
- इस अग्नि कांड में कई पुलिस वालों की जान चली गयी।
- हिंसा की इस कार्यवाही से गांधी जी को यह आंदोलन तत्काल वापस लेना पड़ा।
- आंदोलन के दौरान हजारों भारतीयों को जेल में डाल दिया गया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- स्वयं गांधी जी को मार्च, 1922 में राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया।
- जज ब्रुमफील्ड ने गांधी जी को 6 वर्षों की जेल की सजा सुनाई।
- लेकिन जज ब्रूमफील्ड ने कहा कि – ''यदि भारत में घट रही घटनाओं की वजह से सरकार के लिए सजा के इन वर्षों में कमी और आपको मुक्त करना संभव हुआ तो इससे मुझसे ज्यादा कोई प्रसन्न नहीं होगा।''

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

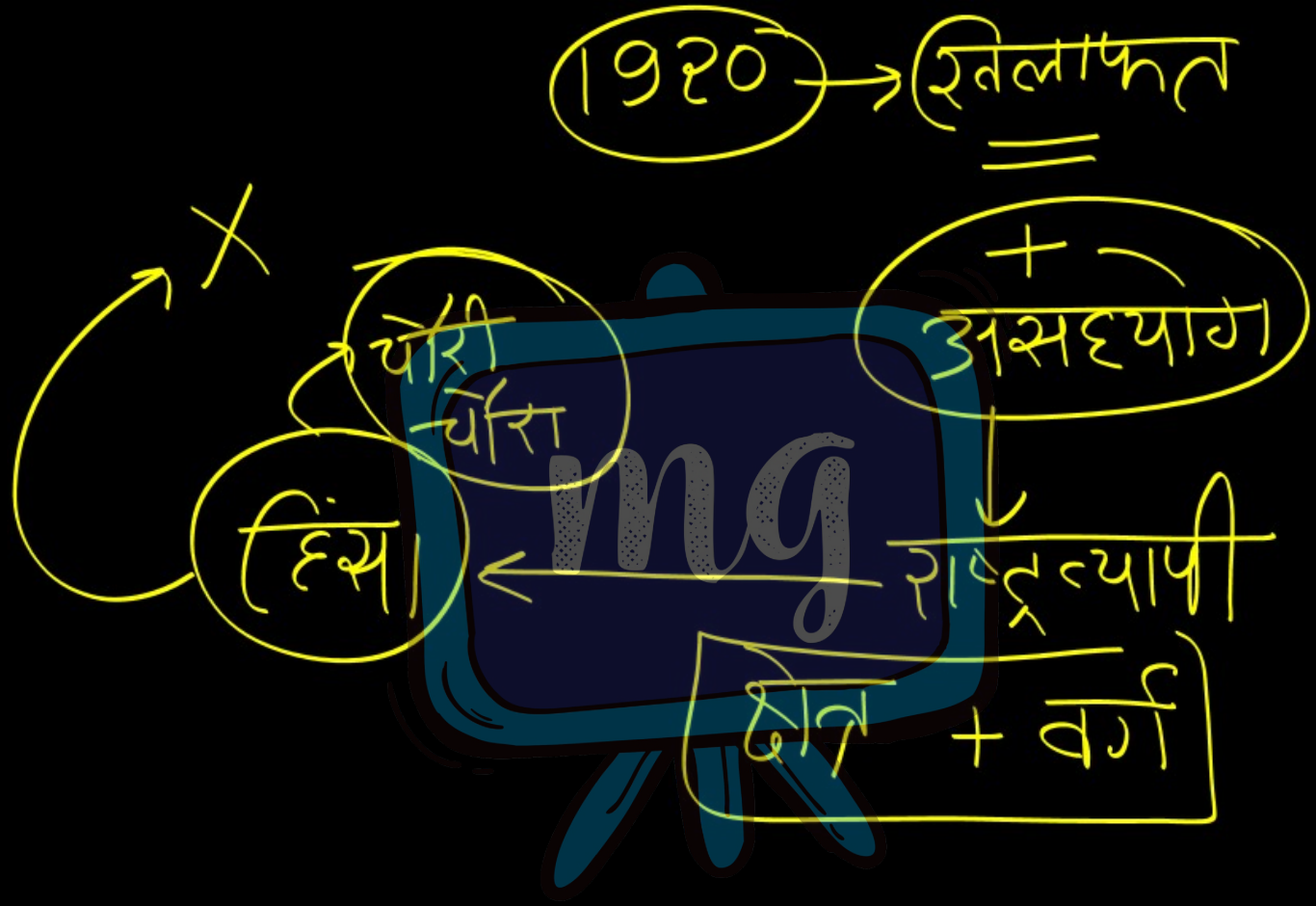

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

क्षेत्र

राष्ट्रव्यापी

1915

जन नेता :-

- 1922 तक गांधी जी ने भारतीय राष्ट्रवाद को एकदम परिवर्तित कर दिया।
- अब यह व्यावसायिकों व बुद्धिजीवियों का ही आंदोलन नहीं रह गया था, अब हजारों की संख्या में किसानों, श्रमिकों और कारीगरों ने भी इसमें भाग लेना शुरू कर दिया।
- उन्होंने इस बात की प्रशंसा की कि गाँधी जी इनकी ही तरह के वस्त्र पहनते थे, उनकी ही तरह रहते थे और उनकी ही भाषा में बोलते थे तथा उनसे घनिष्ठ संबंध भी स्थापित कर लेते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

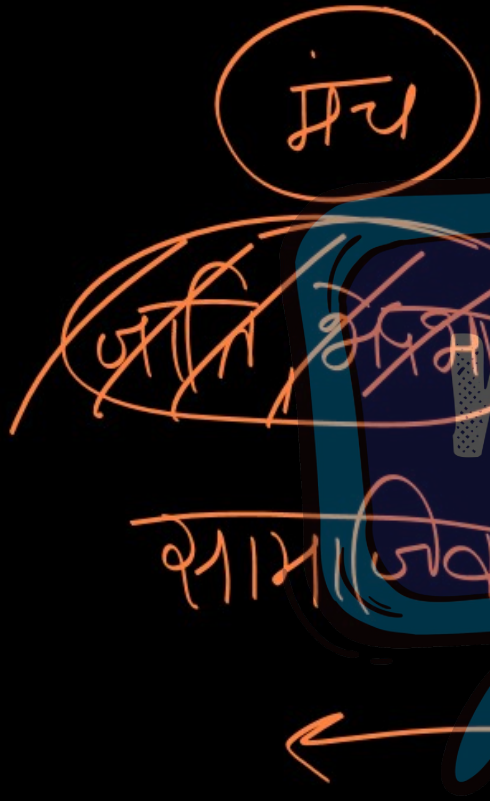

- वे अन्य नेताओं की तरह सामान्य जनसमूह से अलग नहीं खड़े होते थे।
- गाँधी जी लोगों के बीच एक साधारण धोती में जाते थे।
- प्रत्येक दिन का कुछ हिस्सा वे चरखा चलाने में बिताते थे।
- सूत कताई के कार्य ने गाँधी जी को पारंपरिक जाति व्यवस्था में प्रचलित मानसिक श्रम और शारीरिक श्रम की दीवार को तोड़ने में मदद दी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

जन नेता

मान्यता

अफवाहें :-

- गाँधी जी जहां भी गए वहीं उनकी चमत्कारिक शक्तियों की अफवाहें फैल गयीं।
- गाँधी जी का विरोध करने वालों के लिए भयंकर परिणाम की बात बताती कहानियां थी।
- गाँधी जी की आलोचना करने वाले गाँव के लोगों के घर रहस्यात्मक रूप से गिर गए अथवा उनकी फसल चौपट हो गयी।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

उनके भाषणों के दौरान कैसा माहौल होता था इस पर गोरखपुर के एक हिंदी समाचारपत्र ने यह रिपोर्ट लिखी है :

- भटनी में गाँधी जी ने स्थानीय जनता को संबोधित किया और इसके बाद ट्रेन गोरखपुर के लिए रवाना हो गयी।
- नूनखार, देवरिया, गौरी बाजार, चौरी-चौरा और कुसुमही (स्टेशनों) पर 15 से 20 हजार से कम लोग नहीं थे.....
- महात्मा जी कुसुमीही के दृश्य को देखकर बहुत प्रसन्न हुए क्योंकि जंगल के बीच स्थित होने के बावजूद उस स्टेशन पर 10,000 से कम लोग नहीं थे। प्रेम से अभिभूत होकर कुछ लोग रोते हुए देखे गए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- देवरिया में लोग गांधी जी को भेनी (दान) देना चाहते थे किंतु इसे उन्होंने गोरखपुर में देने को कहा। लेकिन चौरी-चौरा में एक मारवाड़ी सज्जन ने किसी तरह उन्हें कुछ दे दिया। इसके बाद यह क्रम रूका ही नहीं।
- एक चादर फैला दी गई जिस पर रूपयों और सिक्कों की बारिश होने लगी।
- यह दृश्य था ... गोरखपुर स्टेशन के बाहर महात्मा एक ऊँची गाड़ी पर खडे हो गए और लोगों ने कुछ मिनटों के लिए उनके दर्शन कर लिए।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

राष्ट्रवाद

संघर्ष

- चरखे के साथ महात्मा गांधी भारतीय राष्ट्रवाद की सर्वाधिक स्थायी पहचान बन गए।
- 1921 में दक्षिण भारत को यात्रा के दौरान गाँधी जी ने अपना सिर मुँडवा लिया और गरीबों के साथ अपना तादात्म्य स्थापित करने के लिए उन्होंने सूती वस्त्र पहनना आरंभ कर दिया।
- उनका यह नया रूप तपस्या और संयम का प्रतीक भी बना और ये ऐसी विशेषताएं थी जिनका गांधी जी, आधुनिक विश्व की उपभोक्तवादी संस्कृति के प्रतिउत्तर में, गुणगान करते थे।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- महात्मा गाँधी फरवरी 1924 में जेल से रिहा हो गए और अब उन्होंने अपना ध्यान घर में बुने कपड़े (खादी) को बढ़ावा देने तथा छूआ-छूत को समाप्त करने पर लगाया।
- गाँधी जी राजनीतिक जितने थे उतने ही वे समाज सुधारक थे। उनका विश्वास था कि स्वतंत्रता के योग्य बनने के लिए भारतीयों को बाल विवाह और छूआ-छूत जैसी सामाजिक बुराइयों से मुक्त होना पड़ेगा।
- एक मत के भारतीयों को दूसरे मत के भारतीयों के लिए सच्चा संयम लाना होगा और इस प्रकार उन्होंने हिंदू-मुसलमानों के बीच सौहार्द्र पर बल दिया।

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

९) असहयोग आन्दोलन



- क) खिलाफत
- ख) क्यो
- ग) कौन
- घ) जोडा

KOLORS
make life better

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

